हिंदी दैनिक

उदय समाचार

एक नई सोच

वर्ष : 01 अंक : 199 कानपुर, रविवार 17 जुलाई 2022 पृष्ठ :4 मूल्य : 2 रुपये

कानपुर एयरपोर्ट में सीएम योगी और राज्यपाल ने किया प्रधानमंत्री का स्वागत

पीएम मोदी ने किया बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन, बोले- योगी के नेतृत्व में यूपी की तस्वीर बदल गई

यूपी का बुंदेलखंड क्षेत्र अब विकास की नई रफ़्तार छूने के लिए तैयार है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे का उद्घाटन किया. साथ ही एक प्रदर्शनी का भी निरीक्षण किया. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्सप्रेसवे का उद्घाटन करते हुए कहा कि सीएम योगी के नेतृत्व में यूपी की तस्वीर लगातार बदल रही है. एक्सप्रेस सिर्फ वाहनों को ही गति नहीं देगा,बल्कि पूरे औद्योगिक गति को रफ्तार मिलेगी । पीएम मोदी ने कहा कि पुरानी सोच को छोड़कर हम नई सोच के साथ आगे बढ़ रहे हैं. 2017 के बाद कनेक्टिविटी के लिए बेहतर काम शुरू हुए हैं. बड़े शहरों के साथ ही छोटे शहरों की कनेक्टिविटी पर भी ध्यान दिया जा रहा है । पीएम मोदी ने कहा कि यूपी का हर कोना नए सपनों और संकल्पों को लेकर तेज गति से दौड़ने के लिए तैयार है. यही सबका साथ और सबका विकास की अवधारणा है. कोई पीछे नहीं छूटे, इसी दिशा में डबल इंजन की सरकार लगातार काम कर रही है. पीएम बोले कि यूपी के छोटे जिले भी हवाई सेवा से

जुड़े, इसके लिए तेजी काम चल रहा है.ऐसे प्रयासों से कारोबार को भी नया आयाम मिलता है । यूपी में इंफ्रास्ट्रचर पर गंभीरता से काम हो रहा है. इसने अच्छे अच्छे राज्यों को भी पीछे छोड़ दिया है. पूरा हिंदुस्तान यूपी की ओर् से अच्छे भाव से देख रहा है. बात सिर्फ हाईवे की नहीं, हर क्षेत्र में यूपी आगे बढ़ रहा है । प्रधानमंत्री मोदी ने मुफ्त में सुविधाएं उपलब्ध कराने वाली राजनीति पर करारा प्रहार किया. उन्होंने इसकी आलोचना करते हुए कहा कि रेवड़ी कल्चर देश के विकास के लिए बहुत घातक है. मुफ्त की रेवड़ी बांटकर वोट बटोरने की भरसक कोशिश हो रही है. इससे देश के युवाओं को बहुत सावधान रहने की जरूरत है. रेवड़ी कल्चर वाले कभी नए एक्सप्रेसवे नहीं बनाएंगे. रेवड़ी कल्चर वालों को लगता है कि जनता को मुफ्त की रेवड़ी बांटकर खरीद लेंगे. लेकिन हमें रेवड़ी कल्चर को देश की राजनीति से हटाना है । पीएम मोदी ने सीएम योगी से कहा कि यूपी के ऐतिहासिक किले देखने के लिए लोग बाहर से आते हैं. इसके साथ ही उन्होंने सीएम योगी से कहा कि वह सर्दियों में एक प्रतियोगिता का आयोजन करें. इसमें युवाओं को आमंत्रित करें और किले पर चढ़ने की प्रतियोगिता रखें. ये आसान रास्ते से नहीं, बल्कि कठिन रास्ते से हो. युवा बाहर से आएंगे, रात में ठहरेंगे, इससे यहां रोजगार के भी अवसर बढ़ेंगे । पीएम मोदी बोले कि विकास की जिस धारा पर देश चल रहा है, उसके मूल में दो पहलू हैं. एक है इरादा, दूसरा है मर्यादा. हम देश के वर्तमान के लिए नई सुविधाएं नहीं गढ़ रहे, बल्कि देश का भविष्य गढ़ रहे हैं. हम 21वीं सदी के इंफ्रास्ट्रक्चर में जुटे हैं. विकास के लिए हमारा सेवाभाव ऐसा है कि हम समय की मर्यादा को टूटने नहीं देते ।

सीएम योगी बोले- आजादी के बाद बुंदेलखंड वासियों ने जो सपना देखा था वो हो रहा पूरा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देश की आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष को 'बुंदेलखंड की चाह' को पूरा करने का कालखंड बताया है. बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के लोकार्पण समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद हर बुंदेलखंड वासियों ने जिन सुविधाओं का सपना देखा था आज आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष में विकास जनसुविधाओं और ईज ऑफ लिविंग के रूप में उन्हें वह सब कुछ प्राप्त हो रहा है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज हर बुंदेलखंड वासी गौरव और गरिमा को महसूस करता है. क्योंकि विकास को एक नई ऊंचाई तक पहुंचाने के लिए आपने जो दिशा पूरे देश को दी, उत्तर प्रदेश उसी को अंगीकार कर आगे बढ़ रहा है । जालौन जिले के कैथेरी गांव में आयोजित समारोह में सीएम योगी ने प्रधानमंत्री मोदी का अभिनंन्दन करते हुए कहा कि आज बुंदेलखंड के लिए ऐतिहासिक दिन है, जब प्रधानमंत्री द्वारा 296 किलोमीटर लंबे बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे का उद्घाटन हो रहा है. यह एक्सप्रेस वे बुंदेलखंड सहित पूरे उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को एक नया आयाम प्रदान करेगा । सीएम ने बताया कि फरवरी 2020 में प्रधानमंत्री द्वारा चित्रकूट जनपद में इस एक्सप्रेसवे का शिलान्यास किया गया था. पूरी दुनिया विगत 28 माह से कोरोना महामारी को झेल रही है. कोरोना महामारी के बावजूद 28 माह के अंदर 296 किलोमीटर लंबे 4 लेन वाले, जिसे 6 लेन तक विस्तार दिया जा सकता है, का लोकार्पण अत्यंत महत्वपूर्ण है । बुंदेलखंड में सूखे की समस्या का जिक्र करते हुए सीएम योगी ने कहा कि आज जब पूरा देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है, बुंदेलखंड सूखे की समस्या के हल की ओर तेजी से बढ़ा है. 2021 में अर्जुन सहायक परियोजना के लोकार्पण किया गया था, ऐसे लगभग डेढ़ दर्जन सिंचाई योजनाएं पूरी हुई हैं, जिससे 21 लाख हेक्टेयर भूमि को अतिरिक्त सिंचाई की सुविधा मिली है । यही नहीं, आज बुंदेलखंड में हर घर नल योजना को पूरी होने की ओर अग्रसर है.बहुत जल्द बुंदेलखंड के हर घर में शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने का महत्वाकांक्षी अभियान पूर्ण होगा ।

पीएम मोदी के बयान पर केजरीवाल का हमला, बोले- मुफ्त शिक्षा और फ्री इलाज देकर क्या गुनाह किया

पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को बुंदेलखंड एक्सप्रेस–वे का लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने कहा रेवड़ी कल्चर से देश के लोगों को बहुत सावधान रहना है। इसके बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने तंज कसते हुए कहा कि अपने देश के बच्चों को मुफ्त और अच्छी शिक्षा देना और लोगों का अच्छा और मुफ्त इलाज करवाना, इसे मुफ्त की रेवड़ी बांटना नहीं कहते। हम एक विकसित और गौरवशाली भारत की नींव रख रहे हैं। ये काम 75 साल पहले हो जाना चाहिए था।उन्होंने आगे कहा कि दिल्ली के सरकारी स्कूलों में 18 लाख बच्चे पढ़ते हैं। देशभर में सरकारी स्कूलों का बेड़ा गर्क था वैसे ही दिल्ली के सरकारी स्कूलों की हालत थी। 18 लाख बच्चों का भविष्य बर्बाद था। आज हमने अगर इन बच्चों का भविष्य ठीक किया तो मैं क्या गुनाह कर रहा हूं? सीएम केजरीवाल ने कहा कि मुझ पर आरोप लगाए जा रहे हैं, केजरीवाल फ्री की रेवड़ियां बांट रहा है, मुझे भद्दी–भद्दी गालियां

दी जा रही हैं, मेरा मजाक उड़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मेरी सरकार से पहले दिल्ली के सरकारी स्कूलों की हालत बहुत खराब थी, जैसी अन्य राज्यों में आज भी है। दिल्ली में सरकारी स्कूलों में बहुत बुरी स्थिति थी। आज मैं इन बच्चों को फ्री में शानदार शिक्षा दे रहा हूं तो क्या बुरा कर रहा हूं। उन्होंने दावा किया कि सरकारी स्कूलों में 75 साल में पहली बार 99 प्रतिशत से ज्यादा रिजल्ट रहा है। पिछले कुछ सालों में चार लाख बच्चों ने प्राइवेट स्कूलों से नाम कटाकर सरकारी स्कूलों में एडमिशन लिया है। सीएम ने कहा कि ये काम 1947 या 1950 में हो जाना चाहिए था, जो आज हम कर रहे हैं। हम देश की नींव रख रहे हैं। ये रेवड़ी नहीं है देश की नींव है। आज दिल्ली के सरकारी अस्पताल शानदार कर दिए हैं, मोहल्ला क्लीनिक शानदार कर दिए हैं, जिनकी चर्चा पूरी दुनिया में हो रही है। दिल्ली दुनिया का वह चुनिंदा शहर है, जिसकी दो करोड़ जनसंख्या के हर आदमी का इलाज मुफ्त है।

प्रधानमंत्री मोदी के विजन पर चले तो होंगे सफल, कृषि क्षेत्र के विकास पर बोले अमित शाह

केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा है कि चुनौतियों के बावजूद हम अगर कृषि क्षेत्र के दीर्घकालिक वित्तीय विकास के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुसार काम करें तो हम सफल हो सकते हैं, ऐसा मेरा विश्वास है। केंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह शनिवार को दिल्ली में आयोजित कृषि और ग्रामीण विकास बैंकों के एक राष्ट्रीय सेमिनार को संबोधित कर रहे थे। केंद्रीय सहकारिता मंत्री ने कार्यक्रम के दौरान एआरडी बैंकों से कहा है कि कृषि क्षेत्र में दिए जाने वाले दीर्घकालिक ऋणों को बढ़ाएं। इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि एआरडी बैंक सिंचाई के लिए और दूसरी आधारभूत संरचनाओं के विकास के लिए भी ऋण उपलब्ध कराएं। केंद्रीय मंत्री ने एआरडी बैंको को संबोधित करते हुए कहा है कि सरकार सहकारी समितियों पर एक डेटाबेस तैयार कर रही है ताकि इस क्षेत्र का विस्तार किया जा सके। उन्होंने कहा कि ऐसा करना कृषि विकास को बढ़ावा देने और किसानों की आय को दोगुना करने के लिए महत्वपूर्ण है। इस दौरान उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र, विशेषकर सिंचाई में सुधार के बिना किसानों की आय नहीं बढ़ाई जा सकती है। उन्होंने सहकारी बैंकों से देश में सिंचित भूमि बढ़ाने के लिए ऋण उपलब्ध कराने पर ध्यान देने को भी कहा है। सहकारिता मंत्री ने आगे कहा, श्भारत के पास 49.4 करोड़ एकड़ कृषि योग्य भूमि है यह अमेरिका के बाद सबसे अधिक है। अगर पूरी कृषि योग्य भूमि पर सिंचाई की सुविधा मिल जाती है तो हम पूरी दुनिया को भोजन उपलब्ध कराने में सक्षम हो सकते हैं। वर्तमान में हमारे देश के कुल कृषि योग्य भूमि का 50 प्रतिशत मानसून पर निर्भर है। सहकारी बैंकों के राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए सहाकारिता

मंत्री अमित शाह ने कहा है कि देश में कृषि और ग्रामीण विकास बैंक पिछले नौ दशकों के दौरान अलग–अलग नामों से काम कर रहे हैं। उनमें से अधिकांश भूमि गिरवी का काम करते थे और 1924 में सबसे पहले उन्होंने किसानों को दीर्घकालिक ऋण प्रदान किया था। उन्होने कहा कि इन बैंकों को एआरडीबी में बदलने से किसानों की मानसून पर निर्भरता धीरे–धीरे कम हुई है और कृषि क्षेत्र में दीर्घकालिक वित्तपोषण की एक संरचना तैयार हुई है।

कार्यक्रम में बोलते केंद्रीय मंत्री ने कहा कि एआरडी बैंकों ने अब तक तीन लाख ट्रैक्टर लोन दिए हैं जबकि इसका लक्ष्य आठ लाख ट्रैक्टर लोन देने का होना चाहिए। इसी तरह, सहकारी बैंकों ने अब तक 5.2 लाख किसानों को मध्यम और दीर्घकालिक ऋण मुहैया कराया है, जबकि इसका लक्ष्य अधिक से अधिक किसान परिवारों तक पहुंचने बनाने का होना चाहिए।

अखिलेश यादव ने बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे की दिखाई कमी, बोले- इसका डिजाइन भी चलताऊ है

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को उत्तर प्रदेश में बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे का उद्घाटन किया. इस बीच उद्घाटन से पहले समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने एक्सप्रेसवे को लेकर बीजेपी सरकार पर निशाना साधा है । अखिलेश ने शनिवार को ट्वीट कर कहा, आधे–अधूरे बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के उद्घाटन की हड़बड़ी बताती है कि इसका डिजाइन भी ऐसे ही चलताऊ बना है. तभी डिफेंस कॉरिडोर के पास होने के बाद भी यहां भाजपा सरकार, सपा काल में बने आगरा–लखनऊ एक्सप्रेस–वे जैसी हवाई पट्टी न बना पाई. इसे चित्रकूट तक विकसित न करना दूरदृष्टि की कमी है । पीएमओ के अनुसार, 296 किलोमीटर लंबे चार लेन वाले एक्सप्रेसवे के निर्माण में करीब 14,850 करोड़ रुपये की लागत आई है । पीएमओ के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 29 फरवरी, 2020 को बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे का शिलान्यास किया था । बता दें कि बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे को चौड़ा करके छह लेन का भी बनाया जा सकता है. चित्रकूट के भरतकूप से इटावा के कुदरैल तक यह एक्सप्रेस–वे है. बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे इटावा में आगरा–लखनऊ एक्सप्रेसवे से मिला है । बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे

7 जिलों से होकर गुजरता है जो चित्रकूट, बांदा, महोबा, हमीरपुर, जालौन, औरैया और इटावा से गुजरता है । इसका निर्माण उत्तर प्रदेश एक्सप्रेस–वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने किया है । इसका निर्माण उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने किया है ।

राष्ट्रपति चुनाव में यशवंत सिन्हा के समर्थन का शिवपाल सिंह ने किया विरोध, अखिलेश को लिखा पत्र

राष्ट्रपति चुनाव में यशवंत सिन्हा के समर्थन को लेकर शिवपाल सिंह यादव ने विरोध जताया है। इस मामले में उन्होंने अपने भतीजे और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को पत्र लिखा है और यूपी के पूर्व सीएम मुलायम सिंह यादव के सम्मान को याद रखने के लिए कहा है। शिवपाल सिंह यादव ने पत्र में कहा है कि यह नियति की अजीब विडंबना है कि समाजवादी पार्टी ने राष्ट्रपति चुनाव में उस व्यक्ति का समर्थन किया है, जिसने नेताजी को उनके रक्षा मंत्री रहते समय पाकिस्तानी गुप्तचर संस्था आईएसआई का एजेंट बताया था। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि समाजवादी पार्टी को राष्ट्रपति प्रत्याशी के तौर पर एक अदद समाजवादी विरासत वाला नाम न मिला। यह कहते हुए मुझे दुख और क्षोभ हो रहा है कि जो समाजवादी कभी नेताजी के अपमान पर आग बबूला हो जाते थे, आज उसी विरासत के लोग नेताजी को अपमानित करने वाले व्यक्ति का राष्ट्रपति चुनाव में समर्थन कर रहे हैं। ऐसा लगने लगा है कि पूरी पार्टी मजाक का पात्र बनकर रह गई है। इससे पहले आम आदमी पार्टी ने फैसला किया था कि वह आगामी राष्ट्रपति चुनावों में विपक्ष के साक्षा उम्मीदवार यशवंत सिन्हा को अपना समर्थन देगी। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने घोषणा करते हुए कहा था कि द्रौपदी मुर्मू के प्रति हमारा आदर है, लेकिन हम समर्थन यशवंत सिन्हा का करेंगे। आम आदमी पार्टी ने यह फैसला अपने पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी की बैठक के बाद लिया। बता दें कि आप ने अपने सभी 11 पीएसी सदस्यों के साथ इस मुद्दे पर दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप के मुखिया अरविंद केजरीवाल के सिविल लाइंस आवास पर बैठक की थी, जहां यह फैसला लिया गया। इस बैठक में अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, संजय सिंह, गोपाल राय, अतिशि, एनडी गुप्ता, दुर्गेश पाठक, पंकज गुप्ता, राघव चड्ढा, इमरान हुसैन और राखी

बिड़ला शामिल थीं। अखिलेश यादव से सुहेलेदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर की नाराजगी विपक्ष के राष्ट्रपति उम्मीदवार यशवंत सिन्हा को भारी पड़ेगी। सुभासपा के अध्यक्ष ओपी राजभर ने अपने पत्ते खोलते हुए कहा था कि वह और उनकी पार्टी राष्ट्रपति चुनावों में एनडीए की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू का समर्थन करेंगे। आपको बता दें कि 18 जुलाई को राष्ट्रपति के चुनाव को लेकर वोटिंग होगी और उससे पहले सपा गठबंधन में शमिल सुभासपा का एनडीए उम्मीदवार का समर्थन करना विपक्ष को भारी पड़ सकता है।

सम्पादकीय

जिम्मेदार बने मुस्लिम समुदाय

उदयपुर में जिस तरह की बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय घटना हुई है, वह बहुत चिंताजनक है. समाज में लोगों को संवेदनशीलता रखनी चाहिए और धर्मांध होकर जो लोग ऐसी वारदातें कर रहे हैं, उनकी भर्त्सना की जानी चाहिए. उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि दूसरों को भी सबक मिले, लेकिन हर घटना के बाद केवल निंदा कर और दोषियों को सजा देकर ही इतिश्री नहीं होनी चाहिए. आज पूरे देश और समुदाय के लिए यह सोचने का समय है कि बढ़ती धर्मांधता को रोकने के क्या उपाय हो सकते हैं? अगर कोई कहे कि ऐसी घटनाएं प्रतिक्रियास्वरूप हो रही हैं, तो उससे पूछा जाना चाहिए कि बाकी देशों में फिर ऐसा क्यों हो रहा है? इस तरह की बातों की आड़ लेने का समय निकल गया है. मुस्लिम समाज को समस्या को ठीक से समझने और अमल करने की जरूरत है, अन्यथा हालात और ज्यादा खराब होंगे. पूरे देश में माहौल मुस्लिम समाज के विरुद्ध होता जायेगा और इसके लिए समुदाय नहीं, बल्कि समुदाय के भीतर के कट्टरपंथी और दिशाहीन तत्व जिम्मेदार होंगे. इस कारण ऐसा हुआ, उस कारण वैसा हुआ जैसे बहाने निकालने की प्रवृत्ति उचित नहीं है. कोई ऐसी बातों को सुनना भी नहीं चाहता है.

समुदाय के वैसे संगठनों को आत्मसमीक्षा करने की आवश्यकता है, जो कट्टर विचारों को बढ़ावा देने और ऐसी मानसिकता बनाने में योगदान देते हैं. ऐसी सोच व्यक्ति को बहुसांस्कृतिक समाज में रहने योग्य नहीं बनाती है और उसे अलग–थलग कर देती है. जो समझ या शिक्षण सामग्री कट्टरता को बढ़ाने में सहायक होती है, उसे भी हटाने का समय आ गया है. यह देखना होगा कि कोई शिक्षण सामग्री समाज में समरसता पैदा करती है, भाईचारा बढ़ाती है, सामाजिक विकास में योगदान देती है या फिर कहीं न कहीं वह लोगों को अलग–थलग करती है, इस्लाम को बदनाम करती है और विकास में भी बाधक बनती है. ऐसी प्रवृत्तियों के विरुद्ध देश को भी खड़ा होना है, लेकिन सबसे पहले मुस्लिम समाज को उन तत्वों के खिलाफ खड़ा होना होगा, जिनके विचार जाहिलाना और सोच कट्टरपंथी है. वे धर्म का जो असली व बुनियादी मर्म है, उसे समझने–समझाने की बजाय धार्मिक चिह्नों के प्रदर्शन को ही धर्म माने बैठे हैं. ऐसे तत्व आध्यात्मिकता के बजाय आडंबरवाद को बढ़ावा देने में लगे हुए हैं. आज भी अगर इस्लाम के मूल को नहीं समझा जायेगा, तो बहुत देर हो जायेगी. आप इंसानियत की खिदमत कीजिये, ईश्वर में आस्था रखिये और समाज की बेहतरी का मार्ग प्रशस्त करिये, यह धर्म है. इन चीजों को छोड़ कर आडंबर की ओर रुझान होना चिंताजनक है. इस्लाम आडंबरवाद से निकाल कर मनुष्य को सीधे ईश्वर से जोड़ने के मार्ग का संदेश लेकर आया था, लेकिन समय के साथ मुस्लिम समुदाय तुलनात्मक रूप से सबसे अधिक कर्मकांडों और आडंबर में फंसता चला गया है. तो, जो दीन की रूह है, उसे समझने और उस पर अमल की जरूरत है. हम लोग प्रयासरत हैं कि मुस्लिम समाज में सकारात्मक माहौल पैदा हो और भविष्य के भारत के निर्माण में साझी विरासत और साझे हित के आधार पर सहकार बढ़े. कट्टरपंथ, अतिवाद और उग्रवाद, जो किसी भी रूप में हो या किसी भी कारण से हो, पर परदा नहीं डाला जा सकता है. मुस्लिम समाज से हमारा आह्वान है कि आप कट्टरपंथ और उग्र सोच को अपना दुश्मन समझिये तथा देश की साझी विरासत पर भरोसा रखिये और इसके साझा भविष्य में अपना भविष्य देखिए. इसमें समुदाय को योगदान करना होगा. शेष भारतीय समाज हमारा दुश्मन नहीं है. अगर आप समाज के लिए हितकारी होंगे, तो समाज भी आपके हितों को साधने में सहयोग करेगा. आज के समय में स्पष्ट समझ के साथ खड़े होने की जरूरत है और इसमें किसी किंतु–परंतु की कोई गुंजाइश नहीं होनी चाहिए. युवा किसी भी समुदाय और देश के आधार होते हैं और दुर्भाग्य से कट्टरपंथी सोच से सबसे अधिक वे ही प्रभावित होते हैं. हमारे देश में अपार संभावनाएं पैदा हो रही हैं. दुनिया की चोटी की अर्थव्यवस्थाओं में भारत शामिल है और जिस गति से आर्थिक और सामाजिक विकास हो रहा है तथा भविष्य के लिए अवसर पैदा हो रहे हैं, वे अतुलनीय हैं. युवाओं की प्राथमिकता अपने को इन अवसरों के लिए ठीक से तैयार करने की होनी चाहिए. उन्हें अपने करियर पर ध्यान देना चाहिए और देश के सर्वांगीण विकास में योगदान देना चाहिए. उन्हें कट्टरपंथियों की कट्टर विचारधारा से किसी भी तरह से प्रभावित नहीं होना चाहिए, जो उनके भविष्य को चौपट करने में जुटे हुए हैं. किसी भी समाज में जब कट्टरपंथ बढ़ता है, तो उससे सबसे अधिक नुकसान उसी समाज को होता है. शुरू में भले ऐसा लगे कि वह सामने वाले के खिलाफ है, पर आखिर में आप ही उसकी चपेट में आते हैं. पूरा इतिहास ऐसे उदाहरणों से भरा पड़ा है. युवाओं की सोच यह होनी चाहिए कि उन्हें भारत के भविष्य के निर्माणकर्ताओं के रूप में देखा जाये. मुस्लिम समाज के उदारवादी तबके को भी खड़ा होना होगा. उन्हें यह समझना चाहिए कि समुदाय के कुछ गिने–चुने लोगों की प्रतिक्रियाओं के डर से चुप रहने का समय नहीं है. हमें अपनी शक्ति का प्रदर्शन करना होगा. किसी भी समुदाय में उदारवादी सोच के लोगों का बहुमत होता है तथा भड़काने–उकसाने वाले चंद लोग होते हैं. इस बहुमत को अपनी भावनाओं को जाहिर करने से परहेज नहीं करना चाहिए. कुछ लोगों की वजह से आप अगर अपनी बड़ी जिम्मेदारी से पीछे हट जायेंगे, तो इतिहास आपको माफ नहीं करेगा.

उदय समाचार

दैनिक

स्वामी प्रकाशक व मुद्रक उदय कुशवाहा द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स साकेत नगर कानपुर नगर (उ प्र) से छपवाकर कार्यालय - जवाहर नगर पूर्वी घाटमपुर कानपुर नगर से प्रकाशित।

संपादक

उदय कुशवाहा

Title Code - UPHIN49938

नोट- समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों की होगी। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कानपुर न्यायालय मान्य होगा।

अंतर्राष्ट्रीय न्याय दिवस – 17 जुलाई

अंतरराष्ट्रीय आपराधिक कृत्यों के खिलाफ न्याय की एक उभरती हुई आधुनिक प्रणाली को चिह्नित करने के लिए हर साल 17 जुलाई को दुनिया भर में अंतर्राष्ट्रीय न्याय दिवस मनाया जाता है। इस तिथि पर इस तरह के अवसर को देखने का कारण यह है कि रोम संविधि को अपनाने के बाद 17 जुलाई को औपचारिक रूप से अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय की स्थापना की गई थी। आपराधिक कृत्यों से प्रभावित पीड़ितों के मौलिक मानवाधिकारों की वकालत करने के लिए काम करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित करके अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्याय दिवस मनाया जाता है। अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्याय और आईसीसी के समर्थन को बढ़ावा देने वाले कार्यक्रमों की मेजबानी करने के लिए लोग दुनिया भर में एक साथ आते हैं।अंतर्राष्ट्रीय न्याय के लिए विश्व दिवस 17 जुलाई को दुनिया भर में मनाया जाता है। इस तिथि का एक विशेष महत्व है। अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय के अनुसार, राज्य दलों की सभा द्वारा 17 जुलाई को अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्याय दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया था। 1 जून, 2010 को युगांडा के कंपाला शहर में आयोजित रोम संविधि की समीक्षा सम्मेलन में निर्णय लिया गया था। अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्याय दिवस के लिए इस वर्ष की थीम डिजिटल अर्थव्यवस्था में सामाजिक न्याय है, जो आधुनिक युग के लिए एक सामयिक विषय है जहां अपराधी पारंपरिक आपराधिक रणनीति के बजाय उन्नत इंटरनेट–आधारित साधनों पर तेजी से भरोसा कर रहे हैं। पिछले एक दशक में तकनीकी विकास ने मानव को कोविड –19 परिदृश्य को नेविगेट करने में मदद की है। कर्मचारी घर से काम करने में सक्षम हो रहे हैं क्योंकि संयुक्त राष्ट्र डिजिटल लेबर प्लेटफॉर्म के रूप में संदर्भित करता है, आय पैदा करने की संभावनाएं और लचीली कार्य व्यवस्था से लाभ प्रदान करता है। हालाँकि, डिजिटल साधनों का सहारा लेने वाले आपराधिक कृत्यों का अतिरिक्त जोखिम भी है, और भी अधिक तब जब सड़कों पर महामारी–उपयुक्त व्यवहार पर कड़ी निगरानी बनी रहती है। वास्तविक खतरा दूर हो सकता है, विशेषज्ञों का कहना है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर आपराधिक न्याय के बारे में जागरूकता फैलाने की जरूरत है। अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय, या आईसीसी, जांच करता है और, जहां आवश्यक हो, अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए चिंता के सबसे गंभीर अपराधों के आरोप लगाए गए व्यक्तियों की कोशिश

करता हैरू नरसंहार, युद्ध अपराध, मानवता के खिलाफ अपराध और आक्रामकता का अपराध। अंतिम उपाय के न्यायालय के रूप में, यह राष्ट्रीय न्यायालयों को प्रतिस्थापित नहीं, पूरक करने का प्रयास करता है।अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय रोम संविधि नामक अंतर्राष्ट्रीय संधि द्वारा शासित होता है। यह दुनिया का पहला स्थायी अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय भी है।

जगदीप धनखड़ होंगे NDA के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार, जेपी नड्डा ने की घोषणा

उपराष्ट्रपति चुनाव में पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के उम्मीदवार होंगे. भाजपा संसदीय बोर्ड की बैठक के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने इसकी घोषणा की

संसदीय बोर्ड की बैठक से पहले पीएम मोदी से मिले थे धनखड़ भाजपा संसदीय बोर्ड की बैठक से पहले ही पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी. फिर पीएम मोदी संसदीय बोर्ड की बैठक में हिस्सा भी लिये. जहां धनखड़ के नाम पर मुहर लगाया गया.

जगदीप धनखड़ किसान पुत्र - जेपी नड्डा

राजधानी स्थित पार्टी मुख्यालय में शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में हुई भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सर्वोच्च नीति निर्धारक ईकाई संसदीय बोर्ड की बैठक के बाद पार्टी अध्यक्ष जे पी नड्डा ने यह घोषणा की. संवाददाताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, किसान पुत्र जगदीप धनखड़ राजग के उपराष्ट्रपति पद के प्रत्याशी होंगे. धनखड़ जी, एक साधारण किसान परिवार से आते हैं. उन्होंने सामाजिक और आर्थिक बाधाओं को पार करते हुए अपने जीवन में उच्च लक्ष्य को प्राप्त किया और देश की सेवा करने में उन्होंने कोई कसर नहीं छोड़ी. उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल के राज्यपाल के रूप में धनखड़ ने लोगों के दिल पर राज करने वाले राज्यपाल के रूप में पहचान बनाई.

संसदीय बोर्ड की बैठक में ये रहे शामिल

संसदीय बोर्ड की बैठक में प्रधानमंत्री मोदी और नड्डा के अलावा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान सहित संसदीय बोर्ड के अन्य सदस्य मौजूद थे.

19 जुलाई उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि

उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 19 जुलाई है और मतदान 6 अगस्त को निर्धारित है. मौजूदा उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू का कार्यकाल 10 अगस्त को समाप्त हो रहा है.

उपराष्ट्रपति पद के चुनाव में ये लेते हैं हिस्सा

देश के उपराष्ट्रपति को चुनने के लिए निर्वाचक मंडल में संसद के दोनों सदनों, लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य शामिल होते

हैं. संसद में सदस्यों की मौजूदा संख्या 780 है, जिनमें से केवल भाजपा के 394 सांसद हैं. जीत के लिए 390 से अधिक मतों की आवश्यकता होती है. भाजपा ने राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए आदिवासी नेता द्रौपदी मुर्मू को उम्मीदवार बनाया है. यदि मुर्मू चुनाव जीत जाती हैं, तो वह देश की पहली आदिवासी राष्ट्रपति होंगी. राजग ने 2017 में उपराष्ट्रपति पद के लिए तत्कालीन केंद्रीय मंत्री नायडू को अपना उम्मीदवार बनाया था. भाजपा इस बार भी अपने उम्मीदवार की जीत सुनिश्चित करने के लिए मजबूत स्थिति में है.

संबित पात्रा का आरोप- नरेंद्र मोदी को बदनाम करने के लिए कांग्रेस ने तीस्ता सीतलवाड़ को 30 लाख रुपये दिये

नरेंद्र मोदी को बदनाम करने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने तीस्ता सीतलवाड़ को 30 लाख रुपये दिये थे. यह आरोप आज भाजपा के प्रवक्ता संबित पात्रा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर लगाया है. संबित पात्रा ने यह प्रेस कॉन्फ्रेंस एसआईटी की रिपोर्ट आने के बाद की है.

कांग्रेस की बड़ी साजिश का हिस्सा रहीं हैं तीस्ता सीतलवाड़

संबित पात्रा ने कहा कि कांग्रेस की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि खराब करने के लिए तीस्ता सीतलवाड़ को दिये गये थे. कांग्रेस की बड़ी साजिश का हिस्सा रहीं हैं तीस्ता सीतलवाड़. इन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बदनाम करने और राहुल गांधी को प्रमोट करने के लिए पैसे लिये थे.

एसआईटी के हलफनामे में षडयंत्र का खुलासा हुआ

संबित पात्रा ने कहा कि एसआईटी के हलफनामे में सारे षडयंत्र का खुलासा हुआ है. हलफनामे में कहा गया है कि तीस्ता सीतलवाड़ राज्यसभा में जाना चाहती थी. एसआईटी ने सच सामने ला दिया है. अहमद पटेल ने तो सिर्फ पैसे दिये हैं, असल में पैसा तो सोनिया गांधी के घर से दिया गया था.

अहमद पटेल का नाम, सोनिया गांधी का काम

संबित पात्रा ने कहा कि अहमद पटेल तो सिर्फ एक नाम है, असल में पूरे षडयंत्र को रचने में सोनिया गांधी ड्राइविंग सीट पर बैठी थीं. अहमद पटेल की मदद से सोनिया गांधी ने गुजरात की छवि को धूमिल करने की कोशिश की. उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि भी धूमिल करने की कोशिश की है.

कांग्रेस ने भाजपा पर पलटवार किया

सोनिया गांधी और अहमद पटेल पर भाजपा के आरोपों के बाद कांग्रेस ने भाजपा पर पलटवार किया है. कांग्रेस की ओर से यह कहा गया है कि एसआईटी सरकार के इशारे पर काम कर रही है.

जांच एजेंसियों का सरकार दुरुपयोग कर रही है. कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक बयान जारी कर कहा, कांग्रेस दिवंगत अहमद पटेल के खिलाफ गढ़े गए शरारतपूर्ण आरोपों को पुरजोर तरीके से खारिज करती है. यह प्रधानमंत्री की उस व्यवस्थित रणनीति का हिस्सा है जिसके तहत वह 2002 में उनके मुख्यमंत्री रहने के दौरान हुई सांप्रदायिक सामूहिक हत्या को लेकर किसी भी जिम्मेदारी से खुद को बचाना चाहते हैं.

गुजरात एसटीआई के आरोप पर कांग्रेस का प्रत्यारोप – अहमद पटेल के खिलाफ लगाए गए आरोप झूठे और मनगढ़ंत

गुजरात पुलिस के विशेष जांच दल (एसआईटी) की ओर से दिवंगत नेता अहमद पटेल पर लगाए आरोप पर कांग्रेस ने प्रत्यारोप लगाया है कि अहमद पटेल के खिलाफ लगाए गए आरोप झूठे और मनगढ़ंत हैं. कांग्रेस ने शनिवार को आरोप लगाया कि गुजरात पुलिस के विशेष जांच दल (एसआईटी) की ओर से दिवंगत नेता अहमद पटेल के खिलाफ लगाए गए आरोप झूठे और मनगढ़ंत हैं तथा यह 2002 के 'सामूहिक हत्याश मामले में अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ने की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक व्यवस्थित रणनीति का हिस्सा है.

अहमद पटेल पर आरोप पीएम की व्यस्थित रणनीति का हिस्सा

मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, गुजरात एसआईटी ने तीस्ता सीतलवाड़ की जमानत याचिका का विरोध करते हुए गुजरात की अदालत के सामने यह दावा किया कि वह 2002 के दंगों के बाद राज्य में भाजपा सरकार को बर्खास्त करने की मंशा संबंधी दिवंगत कांग्रेस नेता अहमद पटेल के इशारे पर की गई बड़ी साजिश का हिस्सा थीं. कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक बयान जारी कहा कि कांग्रेस दिवंगत अहमद पटेल के खिलाफ गढ़े गए शरारतपूर्ण आरोपों को पुरजोर तरीके से खारिज करती है. यह प्रधानमंत्री की उस व्यवस्थित रणनीति का हिस्सा है, जिसके तहत वह 2002 में उनके मुख्यमंत्री रहने के दौरान हुई सांप्रदायिक सामूहिक हत्या को लेकर किसी भी जिम्मेदारी से खुद को बचाना चाहते हैं.

अटल बिहारी वाजपेयी ने मोदी याद दिलाई थी राजधर्म

जयराम रमेश ने दावा किया कि इस सामूहिक हत्याकांड को नियंत्रित करने की उनकी अनिच्छा और अक्षमता के कारण ही तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने उस वक्त के मुख्यमंत्री को राजधर्म की याद दिलाई थी.श रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री की राजनीतिक प्रतिशोध वाली मशीन उन लोगों को भी नहीं छोड़ती जो उनके राजनीतिक विरोधी रहे और अब इस दुनिया में नहीं रहे. यह एसआईटी अपने राजनीतिक आकाओं की धुन पर नाच रही है और उसे जो कहा जाएगा वही करेगी. हम जानते हैं कि पहले के एक एसआईटी प्रमुख को राजनयिक जिम्मेदारी से नवाजा गया, क्योंकि उन्होंने मुख्यमंत्री को 'क्लीन चिट दी थी.

दिवंगत नेता को किया जा रहा बदनाम

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने दावा किया कि न्यायिक प्रक्रिया के चलने के दौरान अपनी कठपुतली एजेंसियों के जरिए अनर्गल आरोप लगाकर प्रेस के माध्यम से फैसला सुनाना मोदी–शाह की तरकीबों की वर्षों से पहचान रही है. यह मामला कुछ नहीं बल्कि इसी की एक मिसाल, बस इतना है कि एक दिवंगत व्यक्ति को बदनाम किया जा रहा है,

जो ऐसे सरेआम बोले जा रहे झूठ को खारिज करने के लिए उपलब्ध नहीं हो सकते. बता दें कि कोरोना वायरस संक्रमण के

बाद पैदा हुई स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं के कारण पटेल का 25 नवंबर, 2020 को निधन हो गया था.

धूमधाम के साथ बैंक ऑफ बड़ौदा ने मनाया 115 वां स्थापना दिवस

कानपुर । घाटमपुर कस्बे में स्थित एक निजी गेस्ट हाउस में बैक ऑफ बड़ौदा का 115वां स्थापना दिवस बड़ी ही धूमधाम के साथ मनाया गया। इस मौके पर यहां पर, कृषि वृहद ऋण पखवाड़ा, का आयोजन किया गया, और इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि घाटमपुर विधायक सरोज कुरील ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया है। इस दौरान बैंक ऑफ बड़ौदा के अधिकारियों ने किसानों को ऋण संबंधित जानकारी दी घाटमपुर नगर, के जहानाबाद रोड रेलवे क्रासिंग के पास स्थित बाल उद्यान गेस्ट हाउस में बैक ऑफ बड़ौदा का 115 वां स्थापना दिवस मनाया गया। इस दौरान यहां पर उपस्थित किसानों को बैंक ऑफ बड़ौदा के उप महाप्रबंधक– अंचल प्रमुख लखनऊ ए. पी दास के द्वारा बैंक द्वारा दिए गए ऋण का उपयोग कर समय से चुका देने पर बैंक द्वारा ब्याज दरों में मिलने वाली छूट की जानकारी दी। कानपुर जिले के पियोरटी सेक्टर इंचार्ज अमरेंद्र वर्मा ने किसानों को बताया कि यदि वह बैंक द्वारा लिए गए ऋण को समय से बैंक में जमा कर देते है तो उन्हें ब्याज में छूट के साथ ही बैंक की क्रेडिट की बनती है। जिससे उन्हें दोबारा आसानी से बैंक से ऋण मिल जाता है। घाटमपुर में बैक ऑफ बड़ौदा के द्वारा 254 किसानों को 4.60 करोड़ का ऋण पास करने की अनुमति दी गई है। इस दौरान यहां पर अमित, अजीत, रामकिशोर, रमेश, सुरेंद्र आदि किसान रहे।

संपूर्ण समाधान दिवस में आईं 111 शिकायतें, मात्र 9 शिकायतों का हुआ मौके पर निस्तारण

कानपुर । घाटमपुर तहसील स्थित सभागार कक्ष में शनिवार को तहसील दिवस का आयोजन किया गया जिसमें मौके पर मौजूद, एसडीएम और सीओ ने फरियादियों की फरियाद सुनी, जिसके बाद शिकायत को संबंधित विभाग के अधिकारियों को निस्तारण करने के लिए निर्देशित किया । शनिवार को आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में कुल 111 शिकायते आई , जिनमें 9 शिकायतो का मौके पर निस्तारण किया गया है।

इस दौरान घाटमपुर तहसीलदार सत्य प्रकाश सिंह, नायब तहसीलदार अतुल हर्ष, ईओ उमेश मिश्रा ने आए लोगों की शिकायत को सुना है। शिकायतों की बात की जाए तो घाटमपुर क्षेत्र के इटर्रा गांव निवासी जगत, रामचंद्र, अशोक, रामकिशन, बालकिशन, जयनारायण ने तहसील दिवस में पहुंचकर अधिकारियों को शिकायत पत्र देकर बताया कि वह अपने परिवार के साथ कानपुर में रहकर मजदूरी कर अपने परिवार का भरण पोषण करते है ।

बताया की उनका पुस्तैनी घर इटर्रा गांव में स्थित है, जिसपर गांव के रहने वाले अवध बिहारी पुत्र सुदामा ने कब्जा कर लिया है, कब्जा दिलाने की मांग की है । संपूर्ण समाधान दिवस में आई शिकायतो को संबंधित विभाग के अधिकारियों को जल्द निस्तारण करने के लिए निर्देशित किया गया है ।

ऑक्सफोर्ड मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में भव्य तरीके से मनाई मैंगो पार्टी

कानपुर । नरवल के महाराजपुर में ऑक्सफोर्ड मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में भव्य तरीके से मैंगो पार्टी मनाई गई। स्कूल में बच्चे और अध्यापक पीले ड्रेस में आए। कई बच्चे आम की लिबास पहनकर स्कूल पहुंचे और स्कूल में खूब मस्ती की। प्रबंधक आलोक शर्मा ने कहा कि मैंगो पार्टी मनाने का मतलब सिर्फ पार्टी नहीं होता है इसका उद्देश्य बच्चों को बताना है कि फलों का राजा आम कैसे बना। स्कूल परिसर में मैंगो और यलो कलर डे बच्चों ने पूरे उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया। ऑक्सफोर्ड मॉडल सेकेंडरी विद्यालय के विद्यालय प्रबंधक ने कहा कि छोटे–छोटे आयोजनों से बच्चों की बौद्धिक क्षमता का विकास होता है। नौनिहालों ने भी आम के बारे में अपने विचार रखें जिसमें लव यादव, सूर्यांशी, अयांश आदि बच्चों ने शानदार प्रदर्शन किया। विद्यालय की अध्यापिका प्रीती यादव ने बताया कि इस समय जो आम खाए जाते हैं वह जहरीले भी साबित हो सकते हैं, क्योंकि आम को पकाने के लिए कैल्शियम कार्बाइड का इस्तेमाल किया जाता है जो कि प्रतिबंधित है। उन्होंने बच्चों को जानकारी देते हुए कहा कि आम की कई प्रजातियां होती हैं दशहरी, लंगड़ा, फजरी, चौसा, मुंबइया, तोतापरी, समर बहिश्त, लैली, अलफांसो, रामकेला, देसी, कलमी, गोला, संदूरी होते हैं। इनमें से गोला और रामकेला आम का इस्तेमाल आचार में किया जाता है। इस दौरान बच्चों के साथ कॉलेज प्रबंधन मौजूद रहा।

कानपुर एयरपोर्ट में सीएम योगी और राज्यपाल ने किया प्रधानमंत्री का स्वागत

कानपुर । पीएम नरेंद्र मोदी शनिवार को यूपी दौरे पर रहे । उन्होंने बुंदेलखंड एक्सप्रेस–वे का लोकार्पण जालौन में किया। दिल्ली से अपने विशेष विमान से पीएम मोदी सुबह कानपुर के चकेरी एयरपोर्ट पर उतरे। यहां उनका स्वागत राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने किया। पीएम की अगुवानी में स्थानीय भाजपा नेता भी शामिल रहे। 10 मिनट तक पीएम मोदी चकेरी में रुके। इसके बाद पीएम वायुसेना के हेलिकॉप्टर से जालौन के लिए रवाना हुए। भाजपा नेताओं से पीएम मोदी ने पूछा कि आप लोगों की सक्रियता बरकरार है या नहीं। इस पर सभी ने सक्रिय रहने की बात बताई। खराब मौसम और बारिश में हेलिकॉप्टर के उड़ान में तकनीकी दिक्कत आने की स्थिति में सड़क मार्ग को भी तैयार रखा गया। हालांकि ऐसी समस्या न आने पर पीएम हेलिकॉप्टर से ही जालौन के लिए निकले। बीते शुक्रवार को फ्लीट के साथ एसपीजी और पुलिस अधिकारियों ने कानपुर से लेकर जालौन तक सड़क मार्ग का निरीक्षण भी किया था। कानपुर नगर, कानपुर आउटर, कानपुर देहात और औरैया पुलिस को हाई अलर्ट पर रखा गया। हाईवे के किनारे पड़ने वाली सभी इमारतों पर रूफ टॉप फोर्स लगाई गई। कानपुर कमिश्नरेट में एक एडीसीपी, एक एडिशनल डीसीपी, 4 एसीपी के अलावा लगभग 400 पुलिसकर्मियों को सड़क मार्ग की सुरक्षा में तैनात रहे।

बिन बारिश जिले में पिछड़ रही धान की रोपाई

उदय समाचार । प्रदीप कुशवाहा
फतेहपुर । जनपद में बिन बारिश जिले में धान की खेती पिछड़ रही है। सिंचाई के अभाव में खेतों में धान की पौध सूख रही है। कुछ किसानों ने निजी ट्यूबवेल से पौध तैयार कर ली है। जबकि गरीब तबके के किसान महंगाई के चलते आसमान की ओर उम्मीद भरी निगाहों से देख रहे हैं। किसानों का कहना है कि पौध तैयार हो चुकी है। यदि जल्द ही बारिश न हुई तो धान की खेती काफी प्रभावित होगी। कृषि विभाग की मानें तो जिले में 6000 हेक्टेयर भूमि पर नहर व निजी ट्यूबवेल से धान की रोपाई हो चुकी है। बारिश ना होने से धान की रोपाई दिनों दिन पिछड़ती जा रही है। नहर में पानी चल रहा है। लेकिन वह पानी सिर्फ नहर के किनारे खेतों के लिए ही पर्याप्त है। आगे की खेतों में पानी नहीं पहुंच पाता है। पानी न मिलने से धान की पौध सूख रही है। महंगाई के चलते ट्यूबवेल से सिंचाई हर किसान के बस की बात नहीं है। समर्थ किसान तो निजी ट्यूबवेल से पानी लगाकर धान की रोपाई शुरू कर दी है। जबकि गरीब तबके के किसान अभी भी आसमान की ओर उम्मीद भरी निगाहों से देख रहे हैं। धान की खेती के अलावा खरीफ की अन्य फसलें भी लेट हो रही हैं।

किसानों का कहना है कि यदि समय से बारिश ना हुई। तो धान की फसल चौपट हो जाएगी। वैसे धान की पौध भी काफी लेट हो चुकी है। जिले में खरीफ की फसल के लिए 1 लाख 4 हजार हेक्टेयर भूमि का लक्ष्य दिया गया था।

दो बाईकों में आमने–सामने भिड़ंत एक किशोर गंभीर रूप से घायल

फतेहपुर । जनपद के बिंदकी कोतवाली क्षेत्र में दो बाइकों की आमने–सामने भिड़ंत हो जाने से एक युवक को गंभीर रूप से घायल हो गया जिसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है बताते चलें कि जाफराबाद गांव के समीप बाइक सवार राजा तिवारी उम्र 16 वर्ष पुत्र अनिल तिवारी निवासी सेलावन जो कि किसी काम से अपनी बाइक से जाफराबाद गया हुआ था वहां से वापस लौट रहा था तभी रास्ते में शक्तिनगर के समीप एक सामने से आ रही तेज रफ्तार अनियंत्रित बाइक ने टक्कर मार दी जिसे किशोर

गंभीर रूप से घायल हो गया इस घटना की सूचना राहगीरों ने स्थानीय पुलिस को दी मौके पर पहुंची पुलिस ने 108 एंबुलेंस की मदद से सरकारी स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया है जहां पर उसका उपचार किया जा रहा है ।

विवाहिता ने लगाया ससुरालियों पर दहेज के साथ खाने में जहरीला पदार्थ मिलाने का आरोप, मुकदमा दर्ज

'हमीरपुर'– दहेज में एक लाख रुपये और मोटरसाइकिल नहीं देने पर विवाहिता के साथ मानसिक और शारीरक उत्पीड़न के साथ ही खाने में जहरीला पदार्थ मिलाकर जान से मारने का आरोप लगाते हुए विवाहिता ने कोतवाली में शिकायती पत्र सौंपा है जिसपर कोतवाली पुलिस ने मामले की जांच के बाद दहेज उत्पीड़न सहित मारपीट करने की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। मौदहा कस्बे के मोहल्ला पूर्वी तरौस निवासी रोशनी परवीन पुत्री अजीम उददीन ने कोतवाली में दिए शिकायती पत्र में बताया कि उसका विवाह पांच साल पहले कस्बे के इलाहीतालाब निवासी खुर्शीद अहमद पुत्र कल्लू के साथ हुआ था जिसमें उसके पिता ने अपनी हैसियत के अनुसार दहेज दिया था लेकिन कुछ समय बाद ससुराल वाले दहेज में एक लाख रुपए और एक मोटसाइकिल की मांग को लेकर उसका उत्पीड़न और उसके साथ मारपीट करने लगे।जिसके सिलसिले में पंचायत भी हो चुकी हैं लेकिन ससुराल वालों का नजरिया नहीं बदल रहा है और एक दिन फोन पर खाने में जहरीला पदार्थ मिलाकर मुझे जान से मारने की योजना बना रहे थे जब यह बात मैंने अपने पति को बताई तो ससुराल वालों ने मेरे साथ मारपीट की।उसके बाद मैंने अपने पिता को बुलाकर मायके आ गई और यही पर हूँ लेकिन ससुराल वाले कह रहे हैं कि अगर मोटरसाइकिल और रुपये नहीं लाओगी तो हम अपने लडके की दूसरी जगह शादी कर देंगे।पीडिता ने मुकदमा दर्ज कर न्याय की गुहार लगाई है जिसपर कोतवाली पुलिस ने पति खुर्शीद अहमद पुत्र कल्लू, सास चुन्नी पत्नी कल्लू,जमशेद अहमद,रुबी, नुसरत बानो और मामू मिनहाज उददीन के विरुद्ध धारा 498,323,504,506 और दहेज निरोधक अधिनियम 3/4 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बाइक सवार बदमाशों ने सफाई कर्मचारी से की तीस हजार की लूट

फतेहपुर । जनपद के जहानाबाद थाना क्षेत्र में बाइक सवार बदमाशों ने एक सफाई कर्मचारी से 30000 रुपए की लूट कर ली बताते चलें कि जहानाबाद थाना क्षेत्र के नौनारा गांव के समीप एक सफाई कर्मी गंगाराम अपनी ड्यूटी कर बाइक से जा रहा था ।

तभी बाइक सवार अज्ञात बदमाशों ने सफाई कर्मचारी को चलती बाइक में डंडा मार दिया जिससे सफाई कर्मचारी बाइक से गिर गया और अज्ञात बदमाशों ने 30000 रुपए छीन लिए विरोध करने पर जमकर पिटाई भी की सफाई कर्मचारी ने किसी तरह इस घटना की जानकारी स्थानीय पुलिस को दी पुलिस छानबीन में जुटी हुई है पीड़ित गंगाराम ने थाना जहानाबाद में इसकी लिखित शिकायत की है थानाध्यक्ष ने बताया कि एक सफाई कर्मी के साथ अज्ञात बदमाशों ने 30000 रुपए लूट लिए हैं मामले की जांच की जा रही है तहरीर के आधार पर अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है जांच कर कार्रवाई की जाएगी ।

बिजली समस्या को लेकर किसान परेशान, सब स्टेशन का किया घेराव

फतेहपुर । जनपद में बिजली समस्या को लेकर किसानों ने सब स्टेशन पर घेराव किया है बताते चलें कि बिंदकी तहसील के किसानों में बिजली समस्या को लेकर आक्रोश व्याप्त है क्षेत्रीय किसानों ने बताया कि क्षेत्र में10 से 12 घंटे बिजली मुश्किल से मिल पा रही है बारिश नहीं हो रही हैजिसके चलते धान की फसल की रोपाई में बाधा उत्पन्न हो रही है आधी जुलाई बीत जाने के बाद फसलों की रोपाई नहीं हो पा रही है क्षेत्रीय किसानों ने इसकी सूचना विभागीय अधिकारियों को कई बार लिखित मैं देकर समस्याओं से घिरे हुए हैं अभी तक उनका किसी प्रकार से निराकरण नहीं हुआ है शनिवार को क्षेत्रीय किसानों ने सब स्टेशन पर जाकर धरना प्रदर्शन किया और लिखित शिकायत उच्च अधिकारियों को भी की है कि कम से कम 18 से 20 घंटे बिजली दी जाए जिससे फसलों की रोपाई हो सके बच्चों को पढ़ने लिखने में बहुत भारी संकट हैगर्मियों की वजह से उपकरण नहीं चल पाते हैं जिससे बच्चों की पढ़ाई बाधित हो रही है

सैकड़ों लोगों ने सब स्टेशन पर जाकर घेराव करते हुए प्रदर्शन किया और उच्च अधिकारियों को लिखित शिकायत भी की ।

स्कूल खुले 15 दिन बीते, अभी तक किताबों का पता नहीं

परिषदीय स्कूलों का हाल बेहाल

उदय समाचार । प्रदीप कुशवाहा
फतेहपुर। परिषदीय विद्यालय खुले करीब एक माह का समय हो गया है, लेकिन अभी तक बच्चों के हाथ में किताबें नहीं आईं हैं। ऐसे में विद्यालयों में बच्चों का समय पढ़ाई में कम और खेल में अधिक व्यतीत हो रहा है। शिक्षक भी पढ़ाने बजाय मोबाइल चलाते दिख रहे हैं। विभागीय अधिकारियों की माने तो सितबंर से पहले किताबें मिलने वाली भी नहीं है, क्योकि मांग पत्र ही देर से भेजा गया है। पहली अप्रैल से शिक्षण सत्र की शुरुआत हो चुकी है। एक तरफ निजी स्कूलों में कापी किताबों की व्यवस्था के साथ पठन पाठन उसी दौरान से प्रारंभ है, लेकिन परिषदीय स्कूलों में अभी तक एक भी किताब नहीं है। ग्रीष्मकालनी अवकाश के बाद स्कूल खुले एक महीना गुजर चुका है, लेकिन अभी तक बच्चों के बैग खाली हैं। परिषदीय स्कूलों में बेसिक शिक्षा विभाग मुफ्त में किताबें बांटता है। इन्हें सीधे प्रकाशन से खरीदा जाता है। जिले भर 2126 परिषदीय स्कूल संचालित हैं। इनमें दो लाख 67 हजार बच्चे पढ़ रहे हैं। बिना किताबों के यह बच्चे दिन भर

स्कूल में खेलकूद करते हैं और एमडीएम खाने के बाद लौट आते हैं। बेसिक शिक्षा अधिकारी ने बताया कि सत्र समापन होने के बाद पुराने बच्चों की कुछ अच्छी किताबें जमा करा ली जाती हैं। उन्हीं किताबों से शिक्षक कोर्स पढ़ाना शुरू कर किया गया है जैसे ही किताबें आती हैं तो तुरंत वितरण किया जाएगा ।

खेतों को पानी की दरकार, सूखने लगी धान की नर्सरी

श्रावस्ती । जिले में मानसून लगातार पिछड़ रहा है सावन माह में भी खेतों में धूल उड़ रही है निजी सहारे धान की नर्सरी हुआ रोपाई करने वाले किसान भी अब सूखे का असर देख सहम गए हैं एक तरफ जहां खेतों में दरार पड़ने के कारण धान की नर्सरी सूखने लगी है वही रोपाई धान भी बर्बाद हो रहे हैं तराई की धरती सावन मा मैं भी प्यासी है मानसून के ना होने के कारण सावन माह में भी जेठ की तपन का एहसास हो रहा है तीन माह से जिले में बरसात नहीं हुई ऐसे में जहां तमाम किसान धान की नर्सरी नहीं लगा सके वहीं जिन किसानों ने नहर नलकूप व पाइपिंग सीटों के सहारे धान की नर्सरी तैयार भी कर ली वहां बरसात ना होने से धान की रोपाई नहीं कर पा रहे हैं जिन किसानों ने धान की रोपाई कर भी ली है वह भी बरसात ना होने के कारण सूख रहा है ऐसे ही कुछ जमुनहा क्षेत्र के कई गांव में देखने को मिला जहां सुख हैं जैसे हालात नजर आने लगे हैं। वही बनगई गांव के निवासी शहजाद खान, इदरीश खान, पुत्तन तिवारी, पहलाद, राजन यादव और अन्य ग्रामीणों ने बताया कि कई दिनों से बरसाना ना होने के कारण धान की रोपाई मुश्किल है डीजल महंगा होने के कारण धान की कोई रोपाई करना घाटे का सौदा होगा। बात सिर्फ रोपाई की नहीं

है फसल को बचाने के लिए बराबर सिंचाई करनी पड़ेगी स्थिति यहां धान की रोपाई कर दी गई है तो हर तीसरे दिन पानी लगाना पड़ता है पहले जिस खेत में डेढ़ घंटे 2 घंटे लगते थे वहीं अब 5 घंटे पाइपिंग सेट चलाना पड़ता है जिससे नुकसान हो रहा है ।

पत्नी का कुल्हाड़ी से काटा गला, फिर खुद को करंट लगाकर दी जान, जांच में जुटी पुलिस

महोबा । जिले के कस्बा खन्ना में शुक्रवार की आधी रात करीब एक बजे हुई दिल–दहला देने वाली घटना ने सभी को झकझोर दिया। मानसिक रूप से बीमार पति ने अपनी पत्नी की कुल्हाड़ी से गला काटकर हत्या कर दी। इसके बाद स्वयं को करंट लगाकर जान दे दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना स्थल की बारीकी से जांचकर दोनों शवों को कब्जे में लिया है। कस्बा खन्ना निवासी कौशल किशोर (38) बारह बीघा भूमिप में खेती–किसानी करके परिवार का भरण–पोषण कर रहा था। उसके पिता राजेंद्र गुप्ता की एक साल पहले हृदयाघात से मौत हो गई थी। शुक्रवार की रात पति, पत्नी मंजू (36) व छोटा बेटा अंकित (4) एक कमरे में सो रहे थे, जबकि कौशल की मां माया बड़े नाती अंश (10) के साथ आंगन में लेटी थी। रात करीब एक बजे पति–पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। आवाज सुनकर मां माया कमरे के पास पहुंची तो अंदर से कुंडी बंद होने पर लड़ाई–झगड़ा न करने की बात कही। खिड़की से झांककर कमरे में देखने पर कौशल अपनी पत्नी मंजू पर हसिया से हमला कर रहा था। हसिया से हमले के बाद कुल्हाड़ी से पत्नी की गर्दन अलग कर दी। मां चीखते–चिल्लाते 100 मीटर दूर स्थित खन्ना थाने पहुंची। सूचना पर पुलिस के पहुंचने से पहले पत्नी की हत्या करने के बाद पति ने मैन लाइन के

कटआउट से तार निकालकर पकड़ लिए।

करंट लगने से उसकी भी मौत हो गई। मृतक की मां माया ने बताया कि कौशल उसका इकलौता बेटा था और वहीं बुढ़ापे का सहारा था। मानसिक रूप से बीमार रहने के चलते वह अक्सर पत्नी से झगड़ा करता था। शुक्रवार की रात भी दोनों के बीच विवाद हुआ और इतनी बड़ी घटना को अंजाम दे दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। माता–पिता की मौत से दो मासूम बच्चों का रो–रोकर बुरा हाल है।

पंचायत और आपदा मित्रों को डाउनलोड कराया गया दामिनी ऐप

श्रावस्ती । जनपद में वज्रपात की बढ़ती घटनाओं और संभावनाओं के दृष्टिगत ग्राम स्तर पर वज्रपात पूर्व चेतावनी तंत्र विकसित किया गया है। वहीं सभी राजस्व और पंचायत कर्मियों को भी शनिवार को दामिनी ऐप डाउनलोड करने के निर्देश दिए गए हैं। जिला आपदा प्रबंध प्राधिकरण के द्वारा ब्लॉकवार जागरुकता अभियान चलाकर दामिनी ऐप डाउनलोड कराए जा रहे हैं। इस क्रम में इकौना गिलौला के पंचायत मित्रों को दामिनी ऐप डाउनलोड कराया गया। इसके अलावा जनपद के नव चयनित सभी 250 आपदा मित्रों को भी दामिनी ऐप डाउनलोड कराए गए हैं। एनडीआरएफ के जवानों ने सभी उपस्थित प्रतिभागियों को बाढ़ से बचाव के दौरान एक्सीडेंट होने पर प्राथमिक उपचार सांस नली में बाहरी पदार्थ फंसने पर उपचार घरेलू वस्त्र से स्ट्रेचर बनाना आदि का प्रशिक्षण दिया गया।

जिला कार्यक्रम प्रबंधक पंचायतीराज जटाशंकर मिश्र ने सभी पंचायत मित्रों को निर्देशित किया कि मोबाइल में डाउनलोड दामिनी ऐप का प्रतिदिन अवलोकन करें। वज्रपात होने की संभावना होने पर तत्काल अपने ग्रामसभा के व्हाट्सएप ग्रुप में सूचना भेजें। जिससे समय

रहते सभी नागरिक स्वयं को सुरक्षित कर सकें। इसके अलावा सभी पंचायत मित्रों से अपने स्तर पर 100 व्यक्तियों को दामिनी ऐप डाउनलोड करवाने का निवेदन किया गया।

व्यापारियों ने मंडी परिसर में की नारेबाजी, 18 जुलाई से लगने वाली जीएसटी का किया विरोध

औरैया । उद्योग व्यापार मंडल ने 18 जुलाई से खाद्यान्न पर लगने वाले जीएसटी का विरोध किया है। उन्होंने प्रदेश के गल्ला व्यापारियों से व्यवसाय बंद रखने का आह्वान किया है। इसी के तहत औरैया गल्ला मंडी समिति ने शनिवार को पूर्णतया बंदी रखी। गल्ला मंडी अध्यक्ष शिवाकांत पाठक के साथ जिलाध्यक्ष राजेश बाजपेई और अन्य व्यापारियों ने मंडी परिसर में नारेबाजी की। इसके बाद मंडी का भ्रमण किया। बंदी को सफल बनाने के लिए गल्ला व्यापारियों को जिलाध्यक्ष राजेश बाजपेई ने धन्यवाद दिया। उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष राजेश उर्फ बबलू बाजपेई ने बताया कि 14 जुलाई को उद्योग व्यापार मंडल के पदाधिकारी प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन उप जिलाधिकारी को सौंप चुके हैं।इसमें खाद्यान्न सामाग्री पर पर लगने वाली जीएसटी को वापस करने की मांग की गई है। विरोध प्रदर्शन करने वालों में नगर अध्यक्ष अमर विश्नोई, युवा जिलाध्यक्ष दीपक अग्रवाल, मोबाइल एसोसिएशन अध्यक्ष भानु राजपूत, जमाली सिंह, समरान, नसीब, सफी अहमद, राम मिलन कटियार व छोटे गुप्ता आदि मौजूद रहे।

महानिदेशक होमगार्ड ने बौद्ध स्थलों का किया निरीक्षण, बोले- बुद्ध के ननिहाल पर और रिसर्च करने जरूरत

महराजगंज । कमांडेंट जनरल विजय कुमार ने जवाहरलाल नेहरू पीजी कॉलेज का निरीक्षण किया गया। जिले में स्थित बौद्ध स्थलों विषयक संगोष्ठी को संबोधित किया गया। संगोष्ठी में जिले के इतिहास पर प्रकाश डाला। कमांडेंट जनरल ने कहा, नेपाल के बुटवल और नारायणी घाटी में प्राचीन मानव अवशेष मिले हैं। महराजगंज और इसके आस–पास की जलवायु ऐसी है कि हर काल में यहां मानव रहा होगा। महानिदेशक होमगाड्र्स ने गंडक नदी के उद्भव, उसके प्रवाह में बदलाव और इसके वर्तमान स्वरूप की भी चर्चा की। कमांडेंट जनरल ने कहा, जनपद महराजगंज में प्राचीन काल से मानव की बसावट के प्रमाण बाद

के कालों में भी मिलते हैं। उन्होंने रामग्राम की चर्चा करते हुए कहा कि महात्मा बुद्ध के ननिहाल के संदर्भ में अलग–अलग दावे हैं। इस पर किसी निष्कर्ष तक पहुंचने के लिए अधिक अनुसंधान की आवश्यकता है। फिर भी रामग्राम की अवस्थिति, रामग्राम स्तूप, यहां की बसावट व कुछ अन्य प्रमाणों से बनरसिया कलां का दावा मजबूत लगता है। रामग्राम का उल्लेख ह्वेनसांग ने भी अपनी किताब में किया है। महानिदेशक होमगार्ड ने कहा, महराजगंज जनपद में किए गए अपने कार्यों से भी उपस्थित लोगों को अवगत कराया। इसमें अपने साथी रहे प्रो. कृष्णानंद त्रिपाठी के योगदान को भी याद किया। उन्होंने स्वयं और प्रो. कृष्णानंद त्रिपाठी द्वारा लिखे गए महराजगंज के पुरातात्विक गजट की भी चर्चा की। कहा, यदि कोई इस क्षेत्र में कार्य करना चाहता है। इतिहास के छात्रों को यहां के पुरातात्विक इतिहास में रुचि है, तो वे इस गजट से उपयोगी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

दीवार में लगी कील हटाने को लेकर भिड़े दो पक्ष, मारपीट में कई लोग घायल

औरैया । बिधूना के गांव लुधपुरा में कील और तार हटाने को लेकर दो पड़ोसियों में विवाद हो गया। एक पक्ष ने दूसरे के घर में घुसकर आठ माह के बच्चे को गोद लिए महिला की पिटाई शुरू कर दी। महिला को बचाने आए पति और उसके चाचा श्वसुर के साथ भी मारपीट की। मारपीट से दंपति और उसके आठ माह बच्चे समेत बुजुर्ग को चोटें आई हैं, जिसके बाद पीड़ित पक्ष कोतवाली पहुंचा, जहां पर पांच लोगों के खिलाफ तहरीर दी। चारों घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। लुधपुरा गांव निवासी राज कुमार पड़ोसी सुभाष की दीवार पर कील गाड़कर उसमें रस्सी बांध रखी है। इसमें कपड़े आदि सूखने को डालते हैं, जबकि सुभाष के घर के लिए जाने

वाले बिजली की केबिल राज कुमार के घर के बाहर से निकली है। राज कुमार की पत्नी जूली ने बताया कि शनिवार को दिन में उसके घर के कपड़े तार पर सूख रहे थे तभी पड़ोसी सुभाष ने दीवार में लगी कील को हटाने के लिए कहा। इस पर उन्होंने बिजली का केबिल हटाने के लिए कहा। इस बात से गुस्साए सुभाष, बीटू उसकी पत्नी, दीपू और पिंटू की पत्नी ने उसके घर में घर में घुसकर महिला के साथ मारपीट शुरू कर दी। उस समय महिला गोद में अपने आठ माह के बेटे को लिए हुए थी। बीच बचाव करने के लिए राजकुमार और उसके चाचा रमेशचन्द्र बचाने के लिए आए तो उनके साथ भी मारपीट कर दी।

मारपीट में बच्चे के सिर पर भी चोट आई है। पीड़िता ने कोतवाली में पांच लोगों के खिलाफ तहरीर दी है। लेकिन अभी तक कोई सुनवाई नहीं हुई है और न ही पुलिस गांव में गयी है। पीड़ित खुद ही अस्पताल में उपचार कराने के लिए चले गए। कोतवाली निरीक्षक सुजीत वर्मा ने बताया कि वह अभी कोतवाली से बाहर हैं मामला संज्ञान में नहीं है। जांचकर कार्रवाई की जाएगी।

महिला ने एंबुलेंस में दिया बच्चे को जन्म, जच्चा–बच्चा दोनों स्वस्थ

कानपुर । घाटमपुर तहसील के पतारा क्षेत्र मे स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के एंबुलेंस में तैनात स्वास्थ्य कर्मी अपनी जिम्मेदारियों का बेहतर निर्वाहन कर रहे हैं, जहां बीते कुछ समय से लगातार ईएमटी अरविंद कुमार और चालक प्रदीप चंद्र के सहयोग से प्रसव के लिए आ रही महिलाओं का जहां ध्यान रखा जा रहा है, वही इमरजेंसी पडने में दोनों कर्मचारी अपनी जिम्मेदारी को बखूबी निभाते दिख रहे हैं, जब पतारा क्षेत्र निवासी सतीश की पत्नी रेखा देवी को एंबुलेंस से सीएससी पतारा लाया जा रहा था, जहां रास्ते में आगापुर हथेली के बीच प्रसव पीड़ा काफी तेज हो गई, जिस पर ईएमटी अरविंद कुमार एवं चालक प्रदीप चंद्र ने अपनी स्वास्थ जानकारी का बेहतर प्रयोग करते हुए महिला का प्रसव एंबुलेंस में कराया गया था ।

तत्पश्चात सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पतारा में जच्चा बच्चा दोनों को स्वस्थ हालत में चिकित्सीय निगरानी में भर्ती कराया गया है जिसमे चिकित्सा अधीक्षक डॉ नीरज

सचान ने बताया कि नवजात शिशु का वजन 3 किलोग्राम है और जच्चा–बच्चा दोनों को ही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 24 घंटे की चिकित्सीय निगरानी में रखा गया है,

बताया स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा किया गया प्रयास बेहतर है और दोनों ही कर्मचारी अपनी जिम्मेदारियों का बखूबी निर्वहन कर रहे हैं जो कि प्रशंसनीय है।

संपूर्ण समाधान दिवस में डीएम व एसपी ने सुनीं शिकायतें

65 शिकायतों में मात्र चार का हुआ मौके पर निस्तारण

हमीरपुर । राठ में डीएम और एसपी की मौजूदगी में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन हुआ। समाधान दिवस में 65 फरियादी शिकायतें लेकर पहुंचे, जिसमें चार शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया। शेष शिकायतों के निस्तारण के लिए संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया। डीएम ने लापरवाही पर दी कार्रवाई की चेतावनी। राठ तहसील परिसर में डीएम चंद्र भूषण त्रिपाठी और पुलिस अधीक्षक शुभम पटेल की मौजूदगी में जिलास्तरीय सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इसमें 65 शिकायतकर्ताओं ने विभिन्न मामलों को लेकर अपनी शिकायतें दर्ज कराईं, जिसमें डीएम और एसपी ने चार शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया। अधिकतर शिकायतें बिजली, पानी, पुलिस, राजस्व, प्रधानमंत्री आवास योजना व किसान सम्मान निधि, चकरोड और कब्जे से संबंधित रहीं। समाधान दिवस में आने वाले कुछ फरियादियों ने बताया कि वह पिछले कई बार सम्पूर्ण समाधान दिवस में शिकायत दर्ज करा चुके हैं लेकिन अधिकारीगण मौके की जांच पड़ताल ना कर मनमाने तरीके से आख्या प्रस्तुत कर देते हैं। वहीं आयोजित जिला स्तरीय संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी चंद्र भूषण त्रिपाठी

ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि संपूर्ण समाधान दिवस में आने वाली शिकायतों का गुणवत्ता परक तरीके से निस्तारण किया जाए। इस दौरान पुलिस अधीक्षक शुभम पटेल, एसडीएम राठ पवन प्रकाश पाठक, पुलिस उपाधीक्षक अभय नारायण राय के अलावा विभिन्न विभागों के सभी अधिकारी व कर्मचारी गण मौजूद रहे।

आकाशीय बिजली गिरने से युवक की मौत, परिवार में मचा कोहराम

महराजगंज । शनिवार को आकाशीय बिजली गिरने से एक युवक की मौत हो गई। वह घर से मार्निंग वॉक करने निकला था। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र के बागपार का है। सुबह मौसम ने करवट ली, जिससे बादल गरजने के साथ हल्की बूंदाबांदी हो रही थी।इसी बीच भागवत यादव(28)टहलने निकले थे।बागापार गांव में आकाशीय बिजली उन पर आफत बनकर गिरी और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया है।

हादसे से परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। लोगों का कहना है कि बारिश की जगह बिजली गिरना शुभ संकेत नही है।